>

Title: Need to enquire the accidents of MIG 20.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): धन्यवाद सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया है।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं और आप डिफेंस कमेटी के चेयरमैन भी हैं, इसलिए यह आपके लिए भी एक हितकारी एवं चिंतनशील सवाल है। मैं बीकानेर संसदीय क्षेत्र से आता हूं। वहां पर नाल में एक एयरफोर्स स्टेशन है। दो अगस्त को वहां पर एक मिग-21 विमान गिर गया जिसमें एक पायलट सूरज पिल्लई, जो केरल का रहने वाला था, की डेथ हो गयी। बात यह नहीं है कि मिग-21 विमान गिर गया और पायलट की डेथ हो गयी, मैं आपके माध्यम से इस बात की ओर ध्यान आकर्षित करना चाह रहा हूं कि यह ऐसी 1000वीं इंसीडेंट है। 999 मिग विमान इससे पहले गिर चुके हैं। नाल में ट्रेनिंग के दौरान यह इंसीडेंट हुई है। वह पायलट इसको ट्रेनिंग के दौरान उड़ा रहा था और गिर गया। राजस्थान में तीन सालों में 24 मिग विमान गिरे, मेरे क्षेत्र में 15 सालों में आठ मिग विमान गिरे, इन सभी घटनाओं में पायलट्स की डेथ हुई और कुछ ग्रामीण भी मरे। वर्ष 1996 से लेकर 2000 के बीच में जो दो दुर्घटनाएं हुई, उनमें दूसरे लोग भी मरे।

दस साल में 120 विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। मेरा यह कहना है कि इतने मिग विमान गिरने के बावजूद भी सरकार चेत क्यों नहीं रही है। मैं बताना चाहता हूं कि 13 अक्तूबर 2000 में गिरा, फिर उसी साल नाल में गिरा, फिर 28 जनवरी, 2003 में काकरवाला में गिरा, फिर 2004 में पोखरण में गिरा, फिर नवम्बर 2004 में खाजौला में गिरा, फिर जनवरी 2005 में नाल में गिरा। इस साल फिर मिग विमान लैंड करते हुए गिरा। यह प्रश्न कई बार उठा है। लोग क्या कहते हैं कि मिग तो हमारा फाइटर विमान है, हम इसे ट्रेनिंग पायलट को देंगे।

सभापति महोदय : आप अनुरोध करें कि सरकार से क्या कहना चाहते हैं।

श्री अर्जुन राम मेघवाल : मैं उसी पर आ रहा हूं। मिग 20 1980 के दशक में आर्मी में शामिल हुए थे। अब ये विमान आर्मी में आउट डेटेड हो चुके हैं। मिग 24 और मिग 27 एयरबेस में जुड़ चुके हैं, लेकिन वायु सेना में जब हैदराबाद में ट्रेनिंग दी जाती है तो ट्रेनिंग के बाद ट्रेनी पायलट को उड़ाने के लिए मिग 20 ही दिया जाता है। मैं यह मांग करता हूं कि इसकी जांच होनी चाहिए और मिग 20 अब बंद होना चाहिए। हमें एक पायलट को तैयार करने में बहुत खर्च उठाना पड़ता है। उसकी तो मौत होती ही है साथ में जनता भी हादसे का शिकार होती है। आप स्वयं संसद की डिफेंस स्टेंडिंग कमेटी के चेयरमैन हैं, आप भी जानते हैं।

सभापति महोदय: अब आपका आगे का भाषण रिकार्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *